वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 300 | शनिवार 25 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विद्या बालन, जाह्नवी कपूर महिलाओं के मुद्दों पर करेंगी मंथन

वी द विमन में डिफेन्स व ग्लैमर इंडस्ट्री के नामचीन चेहरे होंगे शामिल

जयपुर. कासं

गुलाबी शहर की गुलाबियत यहां के लोगों के साथ यहां के फेस्टिवल्स से बनती है। कभी थिएटर तो कभी लिटरेचर लेकिन इस साल महिलाओं की खुशी, दर्द और उनकी उम्मीद पर बात की जाएगी। मौका होगा 'वी द विमन' के छठे संस्करण का। एक दिवसीय कार्यक्रम होटल क्लार्क्स आमेर में 4 मार्च को होगा। यहां दिन भर में अलग-अलग विषयों पर स्पीकर्स अपनी बात रखेंगे। फाउंडर व पत्रकार बरखा दत्त ने बताया कि वी द वीमन प्लेटफॉर्म में होने जा रहे सेशंस महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर आधारित रहेंगे। जो असल में बदलाव की ओर एक कदम लें। यहां हर क्षेत्र की महिला खुले मन व विचारों के साथ अपनी बात रखेंगी। यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा होगा। इस मौके पर अभिनेत्री विद्या बालन, जाह्नवी कपूर, खुशबू सुंदर, आदित्य रॉय कपूर, राजश्री देशपांडेय के साथ श्वेता बच्चन नंदा, नव्या नवेली नंदा, बिजनेसवुमन गजल अलघ, एसोसिएशन ऑफ द विक्टिम्स ऑफ उपहार ट्रेजेडी चेयरपर्सन नीलम कृष्णमूर्ति आदि शामिल होंगी। वहीं, आर्मी एविएशन कॉर्प्स में बतौर कॉम्बैट एवीएटर ज्वॉइन करने वाली पहली महिला अफसर मेजर अभिलाषा बारक और स्पेशल फॉर्स से लेफ्टि. कर्नल अनिला खत्री भी सेशन में अपने सपनों को पूरा करने के सफर को साझा करेंगी।

जयपुर की सड़कों पर निकाली वकीलों ने वाहन रैली

जयपुर. कासं

प्रदेश के जोधपुर शहर में दिनदहाड़े वकील जुगराज चौहान की बीच सड़क पर चाकुओं और पत्थरों से हत्या करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। जोधपुर में हुए वकील जुगराज चौहान हत्याकांड के विरोध में जयपुर में भी वकीलों की ओर से शुक्रवार को भी कार्य बहिष्कार जारी रहा। वकील कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन करते दिखे। वहीं जयपुर सेशन कोर्ट से वकीलों ने हाईकोर्ट तक वाहन रैली निकाली। वाहन रैली में वकीलों दोपहिया और चौपहिया वाहनों में सवार होकर जयपुर सेशन कोर्ट और हाईकोर्ट समेत अन्य बार एसोसिएशनों से जुड़े वकील हाईकोर्ट पहुंचे। वकीलों ने कहा कि वकील जुगराज चौहान हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को पकड़कर कड़ी सजा दिलाने, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने और प्रदेश में जल्द एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की जा रही है।

बजट घोषणाओं का हो समयबद्ध क्रियान्वयन

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समन्वय से कार्य करें: मुख्य सचिव

जयपुर. शाबाश इंडिया

पंचायत स्तर तक के अधिकारियों को करें शामिल

मुख्य सचिव ने कहा कि पटवारी, ग्राम सेवक, तहसीलदार आदि फील्ड के कार्मिकों से पुलिस प्रशासन निरंतर संपर्क में रहे। इससे पुलिस अधिकारियों को जमीनी स्तर पर अपराधिक तत्वों से निपटने में मदद मिलेगी।

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में वीडिओ कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रमुख शासन सचिवों, शासन सचिवों, संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षकों, जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ कानून-व्यवस्था, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति, जनकल्याणकारी और फ्लैगशिप योजनाओं के संबंध में समीक्षा कर रही थीं। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राज्य में कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि त्यौहारों को देखते हुए आने वाले कई महीने कानून-व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए शांति बनाये रखने के लिए समन्वय एवं मुस्तैदी के साथ काम करें। सांप्रदायिक घटनाओं को रोकने के लिए वांछित अपराधियों को पकड़ने की कार्रवाई को तत्परता से अंजाम दें। उन्होंने निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में हो रही सांप्रदायिक घटनाओं का असर राज्य में ना हो इसलिए असामाजिक तत्वों को पाबंद किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया पर अपराधियों का महिमामंडन देखने में आ रहा है। गैंगस्टर, असामाजिक तत्व सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वीडियो और फोटोज लगाते हैं जिसका युवाओं पर अनुचित प्रभाव पड़ रहा है।

मूलनायक अरनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक करने उमड़े श्रद्धालु

प्राचीन तीर्थ, मंदिर आस्था के प्रमुख केंद्र : आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज

त्यागीवृत्ति आवास का हुआ शिलान्यास

ललितपुर, नवागढ़. शाबाश इंडिया

महरौनी विकासखंड में स्थित दिगम्बर जैन प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज सहित 27 पिच्छि धारी दिगम्बर मुनिराजों के सान्निध्य में ब्र. जय निशांत भैया जी के निर्देशन में दो-दिवसीय नवागढ़ महोत्सव शुक्रवार को अभूतपूर्व, ऐतिहासिक सफलता के साथ सम्पन्न हो गया। शुक्रवार की प्रातः की बेला में चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ 27 पिच्छी सहित नवागढ़ अतिशय क्षेत्र में भव्य प्रवेश हुआ। गाजे-बाजे के साथ भव्य अगवानी की गई। क्षेत्र कमेटी नवागढ़ के प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय ने बताया कि प्रातः नित्य नियम पूजन भक्ति संगीत के साथ की गई, इसके बाद अभय जैन भदौरा ने ध्वजारोहण किया। वर्ष में एकबार होने वाला मूलनायक अरनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक पूजन श्रद्धा भक्ति के साथ किया गया, महामस्तकाभिषेक करने अनेक स्थानों से श्रद्धालु उमड़ पड़े। प्रथम कलश से महामस्तकाभिषेक अभय जैन प्रीति विहार दिल्ली, द्वितीय कलश से महामस्तकाभिषेक इंजी. शिखरचंद जैन, डॉ प्रदीप जैन, ब्र. जय कुमार निशांत, राजकुमार जैन पुष्प परिवार टीकमगढ़, तृतीय कलश से राकेश जैन, अरिहंत जैन सोनीपत ने अरनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त किया। शांतिधारा करने का सौभाग्य सुनील जैन प्रीति विहार दिल्ली व राकेश जैन सोनीपत ने प्राप्त किया। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का पाद प्रक्षालन राकेश जैन प्रीति विहार दिल्ली व शास्त्र भेंट करने का अवसर सुनील जैन दिल्ली ने किया। महा अनुष्ठान की समस्त क्रियाविधि ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत भैया के निर्देशन में प्रख्यात प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद कुमार जी रजवास व पंडित मनीष जैन संजू के प्रतिष्ठाचार्यत्व में संपन्न हुआ।

त्यागीवृत्ति आवास का शिलान्यास

आचार्यश्री के सान्निध्य में दोपहर में त्यागीवृत्ति आवास का शिलान्यास संपन्न किया गया। शिलान्यास करने का सौभाग्य अभय कुमार-वर्षा जैन हीरापुर, इंजी. रघुवरदयाल जैन, इंजी. रवि जैन, शिखा जैन छतरपुर, डॉ बाहुवली जैन, डॉ त्रिशला जैन भीलवाड़ा राजस्थान को प्राप्त हुआ। इस मौके पर आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में नवागढ़ क्षेत्र के श्रद्धालुओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। इसी प्रकार भगवान की पूजा, विधान करके अपने जीवन को मंगलमय बनाएं। उन्होंने कहा कि नवागढ़ जैसे क्षेत्रों का संरक्षण और संवर्द्धन जरुरी है, ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। नवीन क्षेत्र, मंदिर बनें परन्तु प्राचीन क्षेत्रों की उपेक्षा न हो। प्राचीन तीर्थ, मंदिर आस्था के केंद्र हैं, हमारी अमूल्य विरासत हैं। नवागढ़ तीर्थ भूमि प्राचीन विरासत, पुरातत्व को समेटे है।

लोकनृत्य व जवाबी कीर्तन की प्रस्तुति रही अनूठी, अद्भुत :

नवागढ़ महोत्सव में संभावना समग्र समिति सागर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत अतिभव्य, मनभावन लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन में समा बांध दिया, बुंदेली विधाओं और लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने मिला। नृत्य, लोकगीत गायन की लाजवाब प्रस्तुतियों ने दर्शकों को बांधे रखा। एक से बढ़कर एक लोकनृत्य की बहुत ही भव्य प्रस्तुति देखकर दर्शक कह उठे अदभुत, ऐतिहासिक, अनूठी प्रस्तुति। वहीं क्रान्तिमाला, बाबूलाल नादान आदि द्वारा प्रस्तुत जबाबी कीर्तन ने समा बांध दिया।

जैन मंदिर की सजावट ने मन-मोहा

प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र पर स्थित जैन मंदिर की भव्य सजावट ने सभी का मन मोह लिया। रात्रि में दूधिया रोशनी में विशाल मंदिर प्रांगण की सजावट सभी को अपनी ओर खींच रही थी। महोत्सव के चक्रवर्ती अभिनव जैन -श्वेता जैन, सौधर्मेंद्र अनुराग जैन -मुक्ता जैन ललितपुर, महायज्ञनायक कुलदीप जैन-सविता जैन, यज्ञ नायक डॉ भरत मीना जैन गुढ़ा, ईशान इंद्र राकेश जैन -शशी जैन,सनत इंद्र-प्रकाश चंद्र जैन -प्रभा जैन बड़ागांव, महेंद्र इंद्र जयकुमार जैन- प्रीति जैन मैनवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसमें अगाध श्रद्धा-आस्था, भक्ति नृत्य के साथ पूजन , भक्ति की। क्षेत्र के अध्यक्ष सनत कुमार एडवोकेट, महामंत्री वीरचंद्र जैन नेकौरा, संयुक्त मंत्री अशोक कुमार जैन मैनवार, राकेश कुमारजैन, उपाध्यक्ष कपूरचंद जैन, प्रकाश चंद्र जैन,कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार जैन टीकमगढ़, सह कोषाध्यक्ष पंडित इन्द्रकुमार जैन, ऑडिटर प्रकाश चंद्र, बच्चू बड़ागांव , मनीष संजू सुरेन्द्र जैन आदि ने सभी ने इस महान अनुष्ठान में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन को सफल बनाने में नवागढ़ तीर्थक्षेत्र कमेटी, नवागढ़ गुरुकुलम के बच्चों, युवा जागृति संघ, महिला मंडल आदि का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर दिल्ली,ललितपुर, मैनवार, सोजना, गुढ़ा, महरौनी, मड़ावरा, ककरवाहा, नेकौरा, सोजना, बड़ागांव, टीकमगढ़, खरगापुर, कारीटोरन, शाहगढ़, घुवारा, समर्रा, अजनौर, आहार जी, लार, अजनौर, सागर , छतरपुर आदि स्थानों से प्रमुख गणमान्य महानुभाव बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विधान में संगीत की सुमधुर ध्वनि पुष्पेंद्र एंड पार्टी ने दी। आदिनाथ चैनल के के माध्यम से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया।

ये रहेगा कार्यक्रम

नवागढ़ तीर्थक्षेत्र कमेटी व आहार जी पंचकल्याणक महोत्सव समिति के प्रचार मंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि शुक्रवार को शाम को आध्यात्मिक संत आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का पद विहार 27 फरवरी से अतिशय क्षेत्र आहार जी में होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव के लिए हो गया। रात्रि विश्राम अजनौर में होने के बाद आहारचर्या ग्राम लार में होगी। उसके बाद पंचकल्याणक महोत्सव आहार में सान्निध्य प्रदान करने में लिए आगे की ओर विहार होगा।

धर्म शिरोमणि आचार्य धर्म सागर महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस उत्साह के साथ मनाया

जिनेंद्र भगवान की विशेष पूजा अर्चना कर विश्व शांति के लिए की शांति धारा

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज के चारित्र चक्रवर्ती प्रथम आचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज की अक्षुण्ण पट्ट परंपरा के तृतीय पट्टाचार्य धर्म शिरोमणि आचार्य श्री108 धर्म सागर जी महाराज का आज यहां दिगंबर जैन मंदिर नसिया जी में 55 वाले आचार्य पदारोहण दिवस बड़े उत्साह के साथ जैन धर्मावलंबियों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के शिष्य 108 मुनि श्री दर्शित सागर जी एवं 108 श्री सुप्रभ सागर जी महाराज के सानिध्य में जिनेंद्र भगवान की के पंचामृत अभिषेक किया गया एवं विश्व शांति के लिए शांति धारा की गई।इस अवसर पर देव शास्त्र गुरु ,तृतीय पट्टाचार्य धर्म सागर जी महाराज एवं पंचम पट्टाचार्य परम पूज्य वात्सल्य वारिधि 108 वर्धमान सागर जी महाराज की जल चंदन अक्षत पुष्प दीप धूप फल एवं अर्घ चढ़ा कर पूजा अर्चना की गई।इस दौरान कार्यक्रम को सानिध्य प्रदान कर रहे परम पूज्य मुनि 108 दर्शित सागर जी महाराज एवं सुप्रभ सागर जी महाराज के चरणों का जैन बंधुओं द्वारा प्रासुक जल एवं दूध से प्रक्षालन किया गया।मुनि श्री दर्शित सागर जी महाराज ने तृतीय पट्टा चार्य धर्म सागर जी महाराज के प्रति अपनी विन्याजलि प्रस्तुत करते हुए कहा कि आचार्य धर्म सागर महाराज शांति सागर महाराज की परंपरा के तृतीय पट्टाचार्य हुए। उनका जीवन बहुत ही सरल एवं अपरिग्रह पूर्ण था वो स्पष्ट वक्ता एवं निस्पृही होने के कारण में जैन बंधु उन्हे भोले बाबा के नाम से भी कहते थे। उन्होंने मुनि परंपरा को अपने आचरण के दम पर ऊंचाइयों प्रदान की एवं अपने पूरा जीवन जैन तीर्थों की वंदना एवं जैन धर्म की प्रभावना में व्यतीत किया।मुनि श्री ने कहा कि जैन समाज एवं द्वितीय पट्टाचार्य 108 श्री वीर सागर जी महाराज ने कई बार उनसे आचार्य पद ग्रहण करने का अनुरोध किया लेकिन उन्होंने हमेशा कहा कि मेरे जीवन का उद्देश्य आचार्य पद ग्रहण करना नहीं बल्कि धर्म की आराधना करना है।सन19 69 में श्री महावीरजी में शांति वीर नगर में पंचकल्याणक समारोह में उन्हें आचार्य शांति सागर जी महाराज की पट परंपरा के तृतीय पट्टाचार्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया। उन्होंने दर्जनों भव्य आत्माओं को दीक्षा देकर उनका जीवन मोक्ष मार्ग की और प्रशस्त किया। जैन समाज सदैव उनका आभारी रहेगा। इस अवसर पर जैन समाज के डॉक्टर एमपी जैन अरिहंत जैन विमल जैन ,नरेंद्र नृपत्या, केके जैन, प्रवीण गंगवाल, सुभाष सोगानी, नरेंद्र टेलीफोन ,रमेश सोनी, मनोज जैन कंपाउंडर, महावीर मंडावरी, पंकज जैन पांड्या,जिनेंद्र पांड्या, उषा सेठी शोभा बोहरा अंजना गंगवाल विद्या गोधा, शकुंतला जैन ,प्रेम देवी सोनी, सुमेर जैन सोनी ,शशी जैन रेलवे के सहायक मंडल इंजीनियर अनिल कुमार जैन सहित दर्जनों जैन बन्धु उपस्थित थे।इससे पूर्व आज प्रातः मुनि संघ का श्री महावीर जी की ओर से गंगापुर सिटी में मंगल प्रवेश हुआ शहर के जैनमंदिरों के दर्शन उपरांत मुनि संघ नसियां कॉलोनी स्थित जिनालय मैं पधारे और आहार चर्या भी नसिया जी में संपन्न हुई। अपराह्न 4:00 बजे मुनि संघ का सवाई माधोपुर के लिए मंगल विहार हो गया।

भगवान मल्लिनाथ का निर्वाण महोत्सव मनाया, महिलाओं ने किया भक्तामर अनुष्ठान

निवाई. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी के प्रेरणा एवं आशीर्वाद से जैन बड़ा मंदिर एवं बंपुई वालों के चेत्याल्य सहित शहर के सभी जैन मंदिरों में भगवान मल्लिनाथ के निर्वाण महोत्सव पर अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। महिला मण्डल की प्रचार संयोजक संजू जौंला ने बताया कि विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल एवं धर्म प्रभावना महिला मण्डल परिवार के तत्वावधान में संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन किया गया जिसमें सभी महिलाओं ने पिंक लहरिया डेस कोड मे भक्तामर अनुष्ठान की आराधना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का मंगलाचरण प्रिति जैन त्रिलोक रजवास नवी जैन एवं संयम जैन ने किया। महिला मण्डल की प्रचार संयोजक संजू जौंला ने बताया कि भगवान आदीनाथ के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर महिला मण्डल की महिलाओं द्वारा संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं भजन कीर्तन आयोजित किए गए । भजन संध्या की शुरूआत मुख्य गायक कलाकार विमल जौंला ने माताजी की महिमा गाओ रे शीश झुकाओ रे .... पारस प्यारा लागे .... मीठे रस से भरी गुरु वाणी लागे .... गायिका हेमा बनेठा ने गुरु मां तो हमारी गुरु मां है .... गायिका पिंकी कठमाणा ने स्वर्ग से सुन्दर सपनों से प्यारा है तेरा दरबार .... गायिका प्रिति रजवास ने मे तो ओढूंगी चुनरिया केसरिया रंग की ..... सहित अनेक भजनों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य की प्रस्तुतियां दी। भजनों के दौरान फूलों से होली खेली एवं भक्ति नृत्य किए। जौंला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने रिद्धि मंत्रों से 48 दीपकों को भक्तामर श्लोकों से मण्डप पर समर्पित किए गए इस दौरान सभी श्रद्धालुओं ने अपने मुखारविंद से भक्तामरजी का उच्चारण करते हुए सम्यग्दर्शन सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र के दीपक समर्पित किए।इस दौरान भगवान आदिनाथ चालीसा, महावीर चालीसा एवं आचार्य मानतुंगाचार्य की वन्दना करके पंचपरमेष्ठी आरती की।इस अवसर पर हेमा बनेठा पिंकी कठमाणा शशी सोगानी सुनीता बडागांव इन्द्रा जैन रितु चंवरिया अनीता रजवास कृष्णा शर्मा मोना जैन तृप्ति जैन संजू पाटनी सुमित्रा जैन बीना सोगानी विजया जैन सपना छाबड़ा ज्योति छाबड़ा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

वेद ज्ञान

हर पल महसूस करें ईश्वर को

भौतिक जीवन में छोटी असफलता मिलने पर मनुष्य स्वयं को अभागा समझने लगता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह अभागे की वास्तविक परिभाषा जानता ही नहीं है। जो व्यक्ति नैतिक मूल्यों, दया और परोपकार जैसे गुणों को त्यागकर लोभ, मोह, ईर्ष्या, मद और अहंकार को अपनाकर अपने संपर्क में आने वालों के साथ चालाकीपूर्ण व्यवहार करता है उसे अभागा कहा जाता है। ऐसा व्यक्ति वास्तव में अभागा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह सांसारिक भौतिक लाभों के कारण मनुष्य जीवन के परम उद्देश्य ईश्वर की अनुभूति को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। भगवान ने स्वयं यह कहा है कि निर्मल मन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस प्रकार का मनुष्य कर्मफल के सिद्धांत और ईश्वर के विधान में भी विश्वास न करके स्वयं को ही नियंता समझने लगता है और इस मार्ग पर चलकर वह मनुष्य के स्थान पर राक्षसों की श्रेणी में आकर अभागा कहलाता है। आदिकाल में इसके उदाहरण स्वरूप रावण, कंस, हिरण्यकश्यप आदि के नाम लिए जा सकते हैं। आदिकाल की भांति आज के युग में इस तरह के राक्षसों की भरमार है। बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी, घोटालेबाजों और अपराधियों के मनोवैज्ञानिक अध्ययन से यह पुष्टि हुई है कि इनमें कुटिलता और कठोरता कूट-कूट कर भरी हुई थी। इस प्रकार के राक्षसों का अंत जरूर होता है। सनातन धर्म में जीवन जीने के लिए आश्रम व्यवस्था की गई है जिसे क्रमशः ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास कहा गया है। गृहस्थ में वह कर्म क्षेत्र में रहकर अपनी सांसारिक जिम्मेवारियों को निभाता है, परंतु वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम का तो उद्देश्य ही उसे संसार से मुक्ति दिलाना है। आज के युग में वानप्रस्थ 50 वर्ष के स्थान पर 60 वर्ष में प्रारंभ होता है। इस आयु तक उसकी ज्यादातर जिम्मेवारियां पूर्ण हो जाती हैं इसलिए उसको शास्त्रीय विधान और परमात्मा के साक्षात्कार का प्रयास सच्चे अर्थों में वानप्रस्थी बनकर करना चाहिए। इसके लिए पतंजलि ने यम और नियम का भी सुगम मार्ग सुझाया है। यम में सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह शौच और अस्तेय व नियम में तप, ईश्वर प्राणिधान इत्यादि का प्रावधान है। आइए अपनी इंद्रियों पर नियम करते हुए अभागा की श्रेणी से निकलकर भक्तों की श्रेणी में आकर ईश्वर अनुभूति करके जीवन को सफल बनाएं।

संपादकीय

अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा के बाद नई चुनौतियां...

अमेरिकी राष्ट्रपति की यूक्रेन यात्रा के बाद जो हालात पैदा हुए हैं, उसने अब नई बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जरूरत इसकी थी कि यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के एक साल पूरे होने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ती और उसे खत्म करने के लिए नए सिरे से कोशिशें शुरू की जातीं। अगर किसी पक्ष के एक कदम पीछे हटने से युद्ध का अंत करने में मदद मिलने की संभावना होती तो उस विकल्प पर भी विचार किया जाता लेकिन इसके उलट हुआ यह कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन की अघोषित यात्रा की और वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ एक तरह से एकजुटता जाहिर की। बाइडेन के इस कदम को यूक्रेन के साथ अब अमेरिका के प्रत्यक्ष रूप से खड़ा होने के तौर पर देखा जा रहा है और संकट में पड़े अपने सहयोगी के प्रति यह किसी भी देश के लिए स्वाभाविक प्रयास है लेकिन विडंबना यह है कि बाइडेन का यही कदम रूस और यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच एक

नई जटिल स्थिति बनने के हालात पैदा कर रहा है। दरअसल, बाइडेन की इस यात्रा पर रूस की प्रतिक्रिया का अंदाजा सभी को था, लेकिन यह जिस तेवर में आई है, उससे अब वैश्विक स्तर पर कई तरह की आशंकाएं मंडराने लगी हैं अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बाइडेन के अघोषित और अचानक यात्रा के जरिए यूक्रेन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने न केवल नाराजगी जाहिर की, बल्कि रूस और अमेरिका के बीच परमाणु संधि को भी निलंबित करने की खबर है। अब अगर मौजूदा स्थिति को संभालने की कोशिश तत्काल शुरू नहीं हुई तो यह समझना मुश्किल नहीं है कि इसके कैसे नतीजे सामने आ सकते हैं। ताजा संदर्भों में अपने देश को संबोधित करते हुए पुतिन ने यह जरूर कहा कि हम युद्ध को आखिरी विकल्प मानते हैं और बातचीत से इसका समाधान चाहते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने यह टिप्पणी भी की कि अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने काम बिगाड़ दिया; अमेरिका ने यूक्रेन में भी वही खेल खेला है जो उसने इराक और सीरिया जैसे देशों में किया था। यों विश्व भर में जो भी देश इस युद्ध को खत्म करने की सदिच्छा रखते हैं, उन सबका यह मानना है कि समस्या का हल सिर्फ बातचीत के जरिए किया जा सकता है और रूस-यूक्रेन को इसी ओर कदम बढ़ाने की जरूरत है, लेकिन पुतिन ने भी यह दर्ज किया कि अपनी ताकत में इजाफे के मकसद से युद्ध को हवा देने की पश्चिमी देशों की कोशिशों के बरक्स यूक्रेन अगर बातचीत की मेज पर आ जाता तो इतना नुकसान नहीं होना था। जाहिर है, अमेरिकी राष्ट्रपति की यूक्रेन यात्रा के बाद जो हालात पैदा हुए हैं, उसने अब नई बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जबकि महामारी के बाद आर्थिक संकट से उबरने के लिए दुनिया भर में जिस तरह के जद्दोजहद चल रहे हैं, उसमें इस युद्ध को खत्म करना भी बेहद जरूरी है। यह छिपा नहीं है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का असर किस तरह खाद्यान्न से लेकर तेल या अन्य जरूरी वस्तुओं के आयात-निर्यात पर पड़ा है। अब अगर दुनिया में मंदी की आशंका गहराती है तो उसमें युद्ध से उपजे हालात पहले से एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पेंशन योजना...

पुरानी पेंशन योजना पर लौटना निस्संदेह कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से सराहनीय फैसला है। पांच राज्य सरकारों ने नई पेंशन के बजाय पुरानी पेंशन योजना पर वापस लौटने का फैसला कर तो लिया, मगर इसके लिए धन जुटाने को लेकर मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। सबसे पहले राजस्थान सरकार ने इस योजना की घोषणा की थी। इस साल वहां विधानसभा के चुनाव हैं, इसलिए वह चाहती है कि यह योजना चुनाव से पहले सिरे चढ़ जाए। मगर सवाल है कि इसके लिए पैसा कहां से आए। राज्य सरकारों ने सोचा था कि नई पेंशन योजना के तहत जो पैसा कर्मचारियों के वेतन से काट कर पेंशन खाते में जमा है, वह वापस मिल जाएगा, तो उसमें कुछ और धन जोड़ कर पुरानी पेंशन का भुगतान किया जा सकेगा। मगर केंद्र सरकार ने फिर से जोर देकर कहा है कि वह पैसा राज्य सरकारों को नहीं मिल सकता। इस पर राजस्थान सरकार ने कहा है कि वह इसके लिए उच्चतम न्यायालय में गुहार लगाएगी और अपने कर्मचारियों का पैसा लेकर रहेगी। मगर हकीकत यह है कि नई पेंशन योजना के तहत जमा रकम को वापस लेना इतना आसान नहीं होगा। फिर भी राजस्थान सरकार केंद्र के इस रवैए को भुनाने का प्रयास जरूर करेगी। वह दिखाने की कोशिश करेगी कि केंद्र सरकार की अड़ंगेबाजी की वजह से वह पुरानी पेंशन योजना लागू नहीं कर पा रही है। पुरानी पेंशन योजना पर लौटना निस्संदेह कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से सराहनीय फैसला है। मगर हकीकत यह है कि जिन राज्यों ने इस योजना में लौटने का वादा किया, वे इसका राजनीतिक लाभ उठाना चाहती थीं। राजस्थान सरकार ने भी आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ही यह फैसला किया था। फिर छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पंजाब की सरकारों ने भी उसकी देखा-देखी ऐसा ही फैसला किया। तब भी यह सवाल उठा था कि इसके लिए धन का प्रबंध कहां से होगा। इन राज्य सरकारों ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना का बहुत अधिक उन पर बोझ नहीं पड़ेगा। जो पैसा नई पेंशन योजना में जमा है, उसमें कुछ और धन अपनी तरफ से मिला कर भुगतान किया जा सकता है। जबकि सच्चाई यह है कि इन राज्य सरकारों ने इस पहलू पर बहुत गंभीरता से विचार नहीं किया कि नई पेंशन योजना के तहत जमा राशि को अपने खाते में लेना तकनीकी रूप से आसान नहीं है। दरअसल, कर्मचारियों के वेतन से जो रकम पेंशन के मद में काटी जाती है, उसका पचासी फीसद हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश कर दिया जाता है और बाकी पंद्रह फीसद को निजी क्षेत्र में निवेश किया जाता है। इसके लिए बाकायदा केंद्र और राज्य सरकारों के बीच करार है। वह करार कैसे भंग होगा, इस पर विचार नहीं किया गया। फिर यह कि जो रकम प्रतिभूतियों में निवेश की गई है, उसे वापस लेने की प्रक्रिया भी आसान नहीं होगी। अब राजस्थान सरकार भयादोहन कर रही है कि जिस तरह अडाणी समूह के शेयर लगातार गिर रहे हैं, उसमें कर्मचारियों की गाढ़ी कमाई के डूबने की आशंका बनी हुई है। जाहिर है, इससे पुरानी पेंशन को लेकर उत्साहित कर्मचारियों के मन में अपनी जमा राशि की सुरक्षा को लेकर भय बना रहेगा और वे केंद्र के फैसले को उचित नहीं मानेंगे।

मोक्ष कल्याणक के साथ श्री पंचकल्याणक महोत्सव का समापन

मोह रुपि बंधनों से मुक्त होना ही मोक्ष है: सुनील सागर महाराज

आचार्य मुनि श्री का मंगल विहार

विराटनगर. शाबाश इंडिया। कस्बे के पौराणिक तीर्थ स्थल अतिशय क्षेत्र जैन नसिया में आयोजित सात दिवसीय श्री पंच कल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव का मोक्ष कल्याणक कार्यक्रम के साथ शुक्रवार को मुनिराज सुनील सागर के सानिध्य में समापन हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने आशीर्वचन में कहा कि समस्त प्रकार के मोह बंधनों से मुक्त होना ही मोक्ष है। उन्होंने कहा आए हैं सो जाएंगे, राजा रंक फकीर। अर्थात जिस का आगमन है उसका जाना निश्चित है। तथा नमस्कार से चमत्कार से, जो भगवान को श्रद्धा से याद करता है और उसकी पूजा करता है उसका फल उसे अवश्य मिलता है। उन्होंने ऋषि मुनियों की इस तपोभूमि में राष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक केंद्र होने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अब तेजी से विकास होगा। कार्यक्रम में ज्ञान कल्याणक और मोक्ष कल्याणक विधान, विश्व शांति महायज्ञ, पूर्णाहुति, विसर्जन, क्षमा याचना तथा नसिया परिसर में श्रीजी की शोभायात्रा, श्री जी का महाभिषेक, शांति धारा, पूजा इत्यादि कार्यक्रम संपन्न हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री के ओएसडी अश्वनी जैन, रानी रत्नाकुमारी महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया समापन के पश्चात महाराज श्री का विहार हुआ, 25 फरवरी को अलवर जिले में उनका कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, विजय दीवान, सौधर्म इंद्र धर्मचंद पहाड़िया, रुपेंद्र छाबड़ा, संरक्षक हरिद्वारी लाल जैन, संयोजक संतोष जैन, महामंत्री विनोद जैन, मंत्री रतन जैन, सोनू जैन, सुरेश जैन, प्रमोद जैन, शील चंद जैन, पदम चंद जैन, जयकुमार जैन, अशोक जैन, विमल जैन सहित अनेक जैन धर्मावलंबी मौजूद थे। महाराज श्री का विहार गाजे-बाजे के साथ रवाना हुआ।

भगवानश्री मल्लीनाथ का निर्वाण उत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया, कोलकाता प्रवासियों ने किए दर्शन

लाडनूं. शाबाश इंडिया। स्थानीय दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में जैन समाज एवं कोलकाता प्रवासियों ने भगवान श्री मल्लिनाथ का निर्वाणोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। कोषाध्यक्ष राजेश कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज के श्रावक श्राविकाओं ने निर्वाण काण्ड पढ़ते हुए भगवान मल्लिनाथ को निर्वाण लाडू अर्पित किया। इससे पूर्व जैन समाज एवं कोलकाता से आए प्रवासियों ने श्रीजी का जलाभिषेक, शांतिधारा कर धर्म लाभ लिया। भगवान श्री शांतिनाथ की शांतिधारा बनारसीदास, भरत, बाहुबली अर्हम कासलीवाल एवं भगवान श्री अजीतनाथ की शांतिधारा रतनलाल सुरेश सेठी, कोलकाता तथा रमेश, दीपक, अंकुर चूड़ीवाल, जानवी, विशाल सेठी ने की। जैन समाज के मंत्री विकास पांड्या ने कहा कि बताया कि कोलकाता से वीरेंद्र पांड्या, मंजू पांड्या, ललित पाटनी, सुमन पाटनी, राजेंद्र गंगवाल (जामुन) अशोक पाटनी एवं स्थानीय जैन समाज के लोगों ने निर्वाण उत्सव उमंग के साथ मनाया।

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

मुख्य प्रायोजक: R K GROUP, Kishangarh, Rajasthan, lasting impressions, www.rkmarble.com | www.wondercement.com, WONDER CEMENT, EK PERFECT SHURUAAT

सह प्रायोजक: ARL, ARL Infratech Ltd.

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

समय : सायं 7.00 बजे से

:: स्थान ::

भट्टारक जी की नशियां,

नारायण सिंह सर्किल, टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार (हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच (हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर (हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई (हास्य व्यंग्य)

श्री पी.के.मस्त (हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला (श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त' (मंच संचालन)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव	मुख्य अतिथि	अध्यक्षता	दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् अशोक जी पाटनी आर. के. मार्बल ग्रुप	श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया ए. आर. एल. ग्रुप	श्रीमान् विनोद जी तिजारिया प्रमुख समाज सेवी	श्रीमान् उमराव मल जी संघी अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा सम्पादक-दैनिक समाचार जगत	श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति	श्रीमान् निर्मल जी सौगानी सदस्य-नेशनल रोड़ सेफ्टी कॉउन्सिल (NRSC)	श्रीमान् विनय जी सौगानी प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी	डॉ. पी.सी. जैन प्रमुख समाज सेवी	श्रीमान् जितेन्द्र जी गंगवाल मेडिकल व्यवसायी एवं समाज सेवी

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के आमंत्रित इन्दौर से राष्ट्रीय पदाधिकारीगण

जयपुर मे प्रथम बार आगमन

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महासचिव	निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	संयुक्त सचिव
श्रीमान् राकेश जी विनायका	श्रीमान् विपुल जी बाँझल	श्रीमान् कमलेश जी कासलीवाल	श्रीमान् विमल जी अजमेरा	श्रीमान् आशीष जी सूत वाले

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक	परामर्शक	समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक
यश कमल - संगीता अजमेरा	दर्शन - विनीता बाकलीवाल	मनीष - शोभना लोंग्या	विनोद - हेमा सोगानी	चक्रेश -पिंकी जैन	राजेश - रानी पाटनी	अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन, विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप :: जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थंकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी

ग्रुप संयोजक :: डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुनील बज, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, प्रमोद सोनी, अनिल पाटनी, रवि सेठी, ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष	दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक	मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष	सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष	राकेश-रेणु संघी उपाध्यक्ष	महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल उपाध्यक्ष	अनिल-निशा संघी सचिव

अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष	राजेश-रितु छाबड़ा संगठन सचिव	राजेश-रानी पाटनी संगठन सचिव	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन-डॉ.अनामिका पापडीवाल संयुक्त सचिव	कमल-मंजु ढोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ✲ डॉ अनुपम-विनीता जैन ✲ सपन-रजनी छाबड़ा ✲ नितेश-मीनू पाण्ड्या विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ✲ अशोक सेठी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी वरिष्ठ परामर्शक	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या परामर्शक	नवीन सेन जैन परामर्शक	यश कमल अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष	अतुल बिलाला पूर्व अध्यक्ष	पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष	निर्मल संघी महासचिव

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

राकेश - समता गोदिका

अध्यक्ष : दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

महिलाएं बने आत्मनिर्भर : जैन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर शौर्य द्वारा उप प्रांतपाल लायन डॉ संजीव जैन, जोधपुर की क्लब यात्रा कराई गई ।लायंस मार्केटिंग के डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि इस अवसर पर प्रांतीय स्लोगन सोच बदलो जीवन बदल जाएगा की भावना के साथ दो जरूरतमंद महिलाओ को महिला सशक्तिकरण के तहत स्वरोजगार हेतु पीकू करने की सिलाई मशीन लायन कला चौहान एवम्लायन मधु फतेहपुरिया के सहयोग से प्रदान की गई। क्लब सचिव लायन अमिता शर्मा ने बताया कि लायन प्रतिभा विश्वा के द्वारा स्वरोजगार के लिए जरूरतमंद महिला को 2 लाख का चेक उप प्रांतपाल के हाथो प्रदान किया गया। इससे पहले क्लब अध्यक्ष लायन नयना सिंह द्वारा अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जोधपुर से पधारे लायन हुकूमसिंह गहलोत, सुमेरपुर से आए लायन पंकजराज मेवाड़ा का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में लायन राजकुमारी पांडे, लायन जागृति केवलरामानी, लायन सुनीता शर्मा, लायन सीमा शर्मा, लायन रीना श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

सांसद दिया कुमारी के प्रयासों से कुवैत में रोजगार पाने गये गोपाल सिंह रावत का शव ब्यावर पहुंचा

ब्यावर. शाबाश इंडिया। राजसमन्द संसदीय क्षेत्र की सांसद दिया कुमारी के प्रयासों से गोपाल सिंह रावत, निवासीः- खेड़ा दण्ड (भैरुखेड़ा) रोजगार पाने के लिए कुवैत गये थे व जिनकी मृत्यु 19 फरवरी 2023 को हो गई थी जिसकी सूचना स्थानीय सरपंच अरविन्द सिंह रावत (सरपंचः- भैरुखेड़ा) ने रावत सेना संस्थापक महेन्द्र सिंह रावत को दी ओर भाई साहब ने तुरन्त सांसद को पूरी घटनाक्रम के बारे में बताया ओर सांसद ने विदेश मंत्रालय एवं दूतावास में बात करके 3 दिन में शव परिजनो के पास पहुंचाया। आज तीयै की बैठक में सांसद द्वारा गोपाल सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर 21,000 रुपए का आर्थिक सहयोग किया ओर हरसंभव मदद के लिए सांसद ने आश्वस्त किया ओर साथ ही रावत सेना संस्थापक महेन्द्र सिंह रावत ने मृतक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने की घोषणा की। तीसरे की बैठक में कांग्रेस नेता मनोज चौहान, दुगार्वास सरपंच हरि सिंह रावत, भैरुखेड़ा सरपंच अरविन्द सिंह रावत, मण्डल अध्यक्ष डूंगर सिंह रावत, भैरुखेड़ा रावत सेना अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, अरविन्द सिंह रावत, भरत सिंह गोरधन सिंह, हजारी सिंह खेड़ादण्ड, लालपुरा, भाजपा नेता बाबू सिंह नून्दरी मेन्द्रातान, पूर्व सरपंच महेन्द्र सिंह कालीकांकर, भैरुखेड़ा सरपंच साहब ने सांसद महोदया का आभार जताया। श्रद्धांजलि सभा में गाँव के अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नसीहत वह सच्चाई है जिसे हम गौर से नहीं सुनते

तारीफ वो धोखा है जिसे हम हर वक्त सुनना पसंद करते हैं: अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

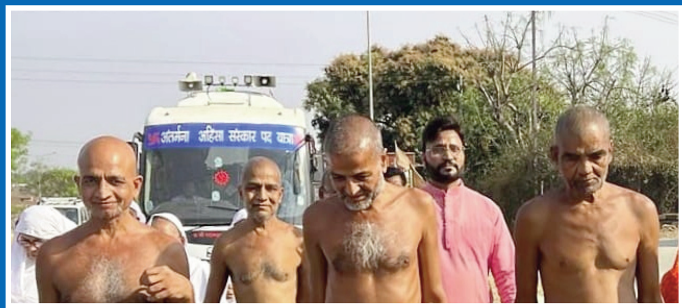

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। इसलिए धैर्य से काम लें, किसी भी बात का जल्दी जवाब न दें। यदि आपको कोई उत्तेजित करता है, तो आप जल्दी उत्तेजित ना हो, ना जल्दी जवाब दें। जवाब देने या लिखकर भेजने से पहले कुछ समय शान्त हो जायें। ध्यान रखें- - इन्टरनेट के इस दौर में आप ऐसा कुछ भी लिखकर ना छोड़ें जो बाद में आपकी परेशानी बन जाये। किसी भी बात की जल्दी प्रतिक्रिया ना दें। किसी अपने अच्छे निष्पक्ष दोस्त से सलाह लेकर फिर प्रतिक्रिया दें। कोई आपके लिये कुछ अच्छा या बुरा बोल रहा है तो चिन्तन और मन्थन करें। ध्यान रखें कि जब आप सफलताओं के शिखर पर पहुँचने लगते हैं, तो आपके अपने ही कुछ लोग असहज हो जाते हैं और आलोचना करना शुरू कर देते हैं। आज के इस दौर में आलोचना ही सफलता की निशानी है। जो हम देंगे वापिस वही हमें मिलेगा। सबके अन्दर एक ताकत होती है सहन करने की और ना सहन करने की। मछली जंगल में दौड़ नहीं सकती और शेर पानी का राजा नहीं बन सकता। सबमें अपनी खूबी तो किसी में खामियां होती है। एक समय था जब लोगों को जादू पर भी यकीन हो जाता था। आज लोगों को हकीकत पर भी यकीन नहीं होता। सोचो कभी ऐसा हो तो क्या हो। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

सैनिक कल्याण सलाहकार समिति ने सैनिकों की समस्या सुनी...

सैनिकों से संबंधित समस्याओं पर राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है सैनिक कल्याण बोर्ड सदस्य भंवर सिंह राठौड़ चितावा

नागौर. शाबाश इंडिया। सेवारत, सेवानिवृत्त एवं शहीद सैनिकों के आश्रितों की समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक कल्याण सलाहकार समिति उपाध्यक्ष रामसहाय बाजिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक सर्किट हाउस में हुई। बैठक में शहीद सैनिकों एवं गैलेंट्री अवार्ड धारकों के भूमि आवंटन, शहीदों के नाम पर विद्यालय का नामकरण करने, शहीद आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने तथा रेक्सो के तहत सरकारी विभागों में सेवानिवृत्त सैनिकों को कार्य पर लगाने एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण पर चर्चा की गई। इससे पूर्व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी रणजीत सिंह ने योजनाओं के तहत किए कार्यों का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में एसडीएम सुनील पंवार ने सैनिकों से संबंधित मुद्दों जैसे भूमि आवंटन एवं शहीदों के नाम विद्यालयों का नामकरण के बारे में शीघ्र कार्यवाही भरोसा दिलाया। उपाध्यक्ष रामसहाय बाजिया ने कहा कि देश की रक्षा करने वाले सैनिक को समाज सम्मान देता है और इसी भावना से सैनिक भी देश की रक्षा के लिए तत्पर रहता है इसलिए प्रशासनिक अधिकारियों को देश की रक्षा करने वाले सैनिकों तथा उनके परिवार जनों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करना चाहिए। बैठक में कर्नल राजेंद्र सिंह जोधा, सैनिक कल्याण बोर्ड सदस्य भंवर सिंह राठौड़ चितावा, सी डीईओ मुंशी खान, पुलिस उप अधीक्षक रविंद्र बोथरा, सी डीईओ प्रारंभिक सुरेंद्र सिंह शेखावत एवं विंग कमांडर बेनीवाल कर्नल बी आर छरंग उपस्थित रहे।

लावारिस: "अधर पर लटका फुटपाथी बच्चों का भविष्य"

भारत ऐसा देश है जहाँ सड़कों पर जिल्लत का जीवन बिताने वाले बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा है। यह बच्चे स्कूल जाने की उम्र में स्टेशन पर भीख मांगते हैं या जूता पॉलिश करते मिलेंगे। ऐसे बच्चों की संख्या लगभग आठ करोड़ है ऐसे बच्चें एयर कंडीशन गाड़ियों को धोते हुए, पसीने में लथपथ चौराहे पर टिशू नैपकिन बेचने वाले, अपार्टमेंट में झाड़ू पोछा, बर्तन साफ करने वाले ऐसे हजारों की तादाद में मौजूद है। आजादी के इतने साल बीत गए लेकिन अभी तक ऐसे बच्चों का हम कोई भविष्य तय नहीं कर पाए हैं जो फुटपाथ में पड़े होते हैं और इनके लिए कोई योजनायें नहीं बनाई गई है और यदि कोई योजनायें तैयार की जाती है तो उसकी फाइलें कहीं ना कहीं धूल खाती मिलेगी और फंड के निवाले किसी और के गले में उतर जाते हैं। सड़क के बच्चों के लिए यूनेस्को और वर्ल्ड बैंक जैसी संस्था द्वारा करोड़ों रुपए का अनुदान बच्चों के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए दिया जाता है ईन करोड़ों रुपए के अनुदान का कितने प्रतिशत इन बच्चों पर खर्च होता है कोई नहीं जानता और अनुदान का पैसा कहा जाता है? यह तथ्य किसी से नहीं छुपा है! सड़क पर पल रहे इन बच्चों को अपना पेट पालने के लिए खुद की मशक्कत करनी पड़ती है उनका और कई तरह से भी शोषण होता है। ऐसे हालातों के शिकार इन बच्चों के लिए किसी भी दिवस के क्या मायने हैं? दिवस और आयोजन तो उनके लिए होते हैं जिनका पेट भरा होता है जिन्हें भावनात्मक सुरक्षा और घर परिवार का प्यार मिल रहा है तब क्या कोई जरूरत रह जाती है? बाल दिवस समारोह जैसे किसी भी आयोजन की आज के जितने भी सामाजिक समारोह और घोषणाएँ की जाती है औपचारिकता बनकर रह जाती है। महापुरुषों और उनके आदर्शों बस अपनों को याद तो लोग कर लेते हैं फिर अगले दिन उन्हें भूल जाते हैं लेकिन एक दिन भी ऐसा नहीं होता है जहां परिस्थितियों पर विचार सोचनीय हो। कुछ समस्याओं के समाधान बड़ी मुश्किल और लंबे होते हैं लेकिन इसी कारण हमें आशावादी दृष्टिकोण और प्रयास करना तो नहीं छोड़ सकते! एक उम्मीद की किरण तो रखनी चाहिए। फटे मैले कुचेले कपड़ो पर बसों और ट्रेनों में यह बच्चे गाना गाते हुए बेसुरी आवाज में अपने हाथों में पत्थर के दो टुकड़ों को बड़ी कुशलता से बजाते हुए सफर करते हुए लोगों से पैसा मांगना शुरू कर देते हैं, जितने भी यात्री बैठे होते हैं उनमें से कई लोग उन्हें पैसा भी नहीं देते हैं केवल मनोरंजन मात्र का पुतला समझकर उसे सांत्वना में वाही वाही देते हैं। ये वह बच्चे होते हैं जिनके पास अपने खुद के मकान नहीं होते यह कहीं ना कहीं रास्तों पर झुग्गी झोपड़ी बनाकर चूल्हे की आग में कच्चा पक्का खाना बनाकर जिसमें आधा खाना ही होता है कभी रोटियां नदारद, तो कभी सब्जी! भीख मांग कर इन्हें जो अन्न प्राप्त होता है इससे वह गुजर-बसर करते हैं। ठंड के दिनों में कड़कड़ाती हुई रात में इन्हें तन ढकने के लिए कपड़े भी नहीं मिलते। कहाँ इनका भविष्य जा रहा है? क्यों नहीं सोचा जाता है इनके बारे में? आखिर कहाँ जाता है इनकी सुरक्षा पर दिया गया पैसा? क्या फुटपाथ पर गुब्बारे बेचते

बचपन को कभी खुद को गुब्बारों से खेलना नसीब हो पाएगा? क्या कभी हम इस जिम्मेदारी को अपना समझेंगे? क्या कभी इनसे जुड़े सवाल सिर्फ किसी एक दिन तक सीमित होने की बजाय एक व्यापक प्रयास बन पाएंगे? और क्या हम और आप इन सवालों के सार्थक जवाब ढूंढ पाएंगे? कई संस्थायें ऐसी है जहाँ बच्चों के लिए गंभीरता से काम तो कर रही होती है इनके प्रयास भी बेशक सराहनीय है। यूनिसिटी भारत में फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों के लिए कई कार्यक्रम चलाता है बच्चों का यौन शोषण और उसके ऊपर होने वाले अपराधों को रोकने की योजना इसमें मुख्य है सारे कार्यक्रम ठीक से लागू किए जा रहे हैं कि नहीं इन पर मानवाधिकार आयोग भी नजर रखता है। कानून सरकार तो काम कर ही रहे अगर यह योजनायें ठीक से लागू हो तो काफी हद तक इन बच्चों का हित हो सकता है लेकिन इन सबके साथ एक दायित्व जनता का भी है आप इस समाज का हिस्सा है और आपकी समाज के प्रति कुछ जिम्मेदारी भी बनती है। आपके द्वारा किया गया एक छोटा सा प्रयास बच्चों के भविष्य को उजालों से भर सकता है। यदि आप समर्थ हैं तो किसी बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठा सके, सर्द रात में ठिठुरते किसी बच्चे को कपड़े दे सके तो अपना योगदान जरूर दें। चाहे व्यक्तिगत रूप से या किसी संस्था के माध्यम से। केवल सरकार को कोसते रहने से और उम्मीदें लगायें कि आपको दूसरे देशों से भीख मिले क्यों ना अपने देश में सड़को पर जीवन बिता रहे इन बच्चों के लिए कुछ करें! क्यों ना छोटे-छोटे ही सही कुछ प्रयास हम और आप ही करें ताकि यह बच्चे भी मना सके सारे त्यौहार! यह भी मुस्कुरा सके इनके हाथों में किताबें हो और ये गर्व से कह पाए कि "सारा आसमान हमारा है और हम इस देश की किस्मत है।"

> केवल सरकार को कोसते रहने से और उम्मीदें लगायें कि आपको दूसरे देशों से भीख मिले क्यों ना अपने देश में सड़को पर जीवन बिता रहे इन बच्चों के लिए कुछ करें!

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रान्त-पदमपुरा में 12 मार्च को होगा वृहद् 66 मण्डलीय पद्मप्रभु विधान

मुख्य पात्रों का जहाजपुर में हुआ चयन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त का एक वृहद् धार्मिक कार्यक्रम पदमपुरा क्षेत्र कमेटी के साथ मिलकर 66 मण्डलीय पद्मप्रभु विधान अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में आचार्य वसु नंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य संघ (आठ पिच्छि) के सानिध्य में 12मार्च रविवार को आयोजित किया जायेगा। संस्थान के मुख्य पदाधिकारी अध्यक्ष पदम जैन बिलाला कार्याध्यक्ष अनिल जैन उपाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र जैन महामंत्री सुनील पहाड़िया व कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया ने जहाजपुर में प्रवास रत मुनि श्री ज्ञाना नन्द, संयमा नंद, शिवा नन्द, प्रश्मा नंद व संघ से कार्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की और सानिध्य में सफल आयोजन के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। विधान के लिए सौधर्म इंद्र सी ए ऋषभ जैन मेरठ, कुबेर सुभाष जैन बड़ौत, यज्ञ नायक अनिल जैन बसवा तथा झण्डारोहण कर्ता पदम जैन बिलाला का चयन किया गया। वात्सल्य भोज पुण्यार्जक कांता देवी रश्मि कान्त अलका सोनी तथा प्रचार सहयोग डॉ. शीतल शाह दाहोद ने सहमति प्रदान की। कार्यक्रम में जयपुर सलूंबर दाहोद अजमेर दिल्ली उदयपुर भिण्डर कोटडी बाड़मेर अलवर चाकसू जहाजपुर आदि स्थानों से भक्त जनो के पदमपुरा पहुंचने की संभावना है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बीके शिवानी दीदी भीलवाड़ावासियों को देंगी जिंदगी आसान बनाने के टिप्स

मोदी ग्राउंड पर होने वाले आयोजन में 12 वर्ष से कम को नहीं मिलेगा प्रवेश, पत्रकार वार्ता में दी गई आयोजन से जुड़ी जानकारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। ख्यातनाम अन्तरराष्ट्रीय आध्यात्मिक प्रवक्ता एवं राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति अवार्ड से सम्मानित ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी का आध्यात्मिक नगरी भीलवाड़ा में पहली बार एक मार्च को आगमन होगा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शाम 6 से 8 बजे तक आरसी व्यास कॉलोनी के मोदी ग्राउण्ड (भीमगंज स्कूल मैदान) में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में शिवानी दीदी सुख, शांति एव तनावमुक्त जीवन के लिए **''जिंदगी बने आसान''** विषय पर उद्बोधन प्रदान करेंगी। इस आयोजन के बारे में ब्रह्माकुमारीज के भीलवाड़ा केन्द्र की ओर से शुक्रवार को विजयसिंह पथिकनगर स्थित केन्द्र पर मीडियाकर्मियों को विस्तार से जानकारी दी गई। पत्रकार वार्ता में बीके इन्द्रा बहन ने बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों को साथ में जोड़ते हुए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कुछ बॉक्स में पास के आधार पर प्रवेश मिलेगा लेकिन इस आयोजन में सभी आमजन के लिए प्रवेश खुला रहेगा। शाम 6 बजे दीप प्रज्वलन के साथ शुरू होने वाले कार्यक्रम में प्रवेश पहले आओ पहले पाओ आधार होगा। करीब 11 हजार लोगों के बैठने का प्रबंध कार्यक्रम स्थल पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजनकर्ता की ओर से कार्यक्रम स्थल पर पानी सहित सभी जरूरी सुविधाओं का प्रबंध होगा लेकिन फिर भी कोई चाहे तो पानी की बोतल साथ में ला सकेगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बीके शिवानी दीदी तनावपूर्ण माहौल में जिंदगी को कैसे आसान बना सकते इस बारे में टिप्स देने के साथ प्रेरणामय उद्बोधन प्रदान करेंगी। उन्होंने पुस्तकों के माध्यम से भी जीवन को किस तरह सुंदर बनाया जा सकता इस बारे में विश्लेषण किया है। इन पुस्तकों को दुनिया में लाखों लोगों ने पढ़कर प्रेरणा प्राप्त की है।

सोशल मीडिया पर शिवानी दीदी के 80 लाख से अधिक फॉलोअर्स

पत्रकार वार्ता में बीके तरूणा बहन ने बताया कि भीलवाड़ा आ रही ख्यातनाम मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दीदी के सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से 80 लाख से अधिक फॉलोअर्स है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में लोगों ने बीके शिवानी दीदी से जिंदगी को सकारात्मक तरीके से जीने के गुर सीखे है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए ब्रहाकुमारी के स्थानीय सेवा केन्द्र तत्परता से जुटे हुए है। कार्यकर्ताओं को अलग-अलग दायित्व सौंपे आयोजन की तैयारियां की जा रही है। बीके अमोलक भाई ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता बहिन-भाई निरन्तर सेवा में जुटे हुए है। शिवानी दीदी के आगमन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों पर बैनर,पोस्टर व होर्डिंग भी लगाए गए है। पत्रकार वार्ता में आयोजन से जुड़े मुख्य कार्यकर्ता भूपेन्द्र मोगरा, रजनीकांत आचार्य, पवन अग्रवाल, मंजू पोखरना भी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन शिविर 2 मार्च से

ब्रहाकुमारीज के भीलवाड़ा विजयसिंह पथिकनगर स्थित सेवा केन्द्र पर 2 से 4 मार्च तक तीन दिवसीय निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर सुबह 7 से 8 एवं शाम 7 से 8 बजे तक आयोजित होगा। तीनों दिन शाम 4 से 5 बजे तक शिविर केवल महिलाओं के लिए होगा। शिविर का शुभारंभ ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी करेगी। शिविर के लिए ब्रहाकुमारीज के स्थानीय केन्द्रों के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी कराया जा सकता है।

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच शिविर 26 को

प्रचार-प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि शिविर में वजन, ब्लड शुगर (रैंडम), ब्लड प्रेशर, ईसीजी आदि जांचे नि: शुल्क होगी।

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। मेट्रो मास अस्पताल जयपुर एवं श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार दिनांक 26 फरवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जैन धर्मशाला कोटखावदा में आयोजित होगा । प्रचार -प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि शिविर में वजन, ब्लड शुगर (रैंडम), ब्लड प्रेशर, ईसीजी आदि जांचे निः शुल्क होगी। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मस्तिष्क एवं स्पाईन रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम सुंदर लक्षकार, जनरल फिजिशियन डॉ हनुमान सिंह, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ विधि माथुर शिविर में अपनी निः शुल्क सेवाएं देंगे । शिविर के संरक्षक हरकचंद वैद ,मंदिर अध्यक्ष महावीर जैन, महामंत्री दीपक वैद, युवा समाजसेवी अमन जैन कोटखावदा, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, णमोकार नवयुवक मंडल कोटखावदा अध्यक्ष अक्षय जैन सहित नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल के सदस्य शिविर में उपस्थित रहकर सेवाएं देंगें।

भट्टारक जी की नसियां में हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन आज 25 को

देश के ख्यातनाम कवि सुनाएंगे कविताएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में व दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सहयोग से हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलनों आज 25 फरवरी को साय 7 बजे नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में आयोजित किया जाएगा। इस कवि सम्मेलन में देश के ख्यातनाम कवि अपनी कविताओं से उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक गुदगुदाएंगे। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के अध्यक्ष राकेश समता गोदिका व सचिव अनिल निशा संघी ने बताया कि समारोह गौरव आरके मार्बल ग्रुप के चैयरमेन समाज गौरव अशोक पाटनी, मुख्य अतिथि एआरएल ग्रुप के नंदकिशोर,प्रमोद पहाड़िया,विशिष्ट अतिथि समाचार जगत के संपादक शैलेन्द्र गोधा,दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र पांडया,प्रमुख समाजसेवी विनय सौगानी,डॉ.पीसी जैन,नेशनल रोड सेफ्टी काउंसिल के सदस्य निर्मल सौगानी मेडिकल व्यवसायी व समाजसेवी जितेन्द्र गंगवाल होंगे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या व महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि इस मौके दीप प्रज्वलनकर्ता श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी व अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी विनोद तिजारिया करेंगे। आयोजन समिति के मुख्य समन्वयक यश कमल अजमेर परामर्शक दर्शन जैन , समन्वयक मनीष लोंग्या ने बताया कि हास्य सम्राट प्रताप फौजदार,हास्य पैराडी सम्राट शंभु शिखर,हास्य व राजस्थानी गीतकार बुद्धि प्रकाश दाधीच,मुंबई के सुनील व्यास,स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला,हास्य व्यंग्य कवि पीके मस्त और राष्ट्रीय कवि डॉ.कमलेश जैन बसंत अपनी कविताओं से देर रात उपस्थित श्रोताओं को गुदगुदाएंगे। इस मौके पर कवि सम्मेलन में फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोकश बिनायका,महासचिव विपुल बांझल,निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमल अजमेरा व संयुक्त सचिव आशीष सूतवाले भी मौजूद रहेंगे।

तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल की साधारण सभा 26 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल की साधारण सभा 26 फरवरी को सुबह 11 बजे नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में आयोजित की जाएगी। सभा में कमेटी करीब 500 के आसपास प्रतिनिधि एकत्रित होंगे जो अतिशय क्षेत्र व मंदिरों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी,राजस्थान अंचल के अध्यक्ष राजकुमार कोठ्यारी ने बताया कि प्रारंभ में मंगलारण होगा। इसके बाद गत बैठक की कार्रवाई व पुष्टि, अतिशय क्षेत्र व मंदिरों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा,जयपुर के महेश काला को तीर्थ क्षेत्र कमेटी में राष्ट्रीय मंत्री चुने जाने पर सम्मान किया जाएगा।

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के महेश काला राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त

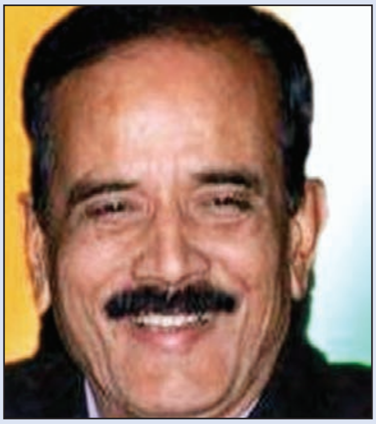

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिखर चंद पहाड़िया व राष्ट्रीय महामंत्री संतोष जैन पेंढारी ने राजस्थान से महेश काला को तीर्थक्षेत्र कमेटी में राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त किया है। वर्तमान में महेश काला फोर्टी के उपाध्यक्ष,श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के कोषाध्यक्ष,श्री वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष,श्री अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की राजस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सहित अन्य संस्थाओं से जुड़े हुए है। काला की इस नियुक्ति पर उन्हें कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने बधाई दी।